9. Explain the concept of 'Brahman' according to Ramanujacharya.

रामानुजाचार्य के अनुसार ब्रह्म की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

A **(Printed Pages 4)**

Roll No. _____

A-21

B.A. (Part - I) Examination, 2015

(Regular)

PHILOSOPHY

First Paper

(*Indian Philosophy*)

Time Allowed : Three Hours] ***[Maximum Marks : 50***

Note : Answer **five** question in all. Question **No. 1** is **compulsory**. **One** question is to be attempted from each unit.

कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न **सं. 1 अनिवार्य** है। प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न किया जाना है।

1. Write short notes on the following : 4×5=20

   (a) Accidentalism

   (b) Anekantvada

   (c) Non-apprehension as source of Knowledge

(d) Sonvara and Nirjara

(e) Vivartovada

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(a) आकस्मिकतावाद।

(b) अनेकान्तवाद।

(c) ज्ञान के स्रोत के रूप में अनुपलब्धि।

(d) संवर और निर्जरा

(e) विवर्तवाद

Unit-I / इकाई-I 7½

2. Explain the basic characteristics of Indian Philosophy.

भारतीय दर्शन की मूलभूत विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

3. Critically examine Buddhist theory of dependent originations.

बौद्ध प्रतीत्यसमुत्पाद के सिद्धान्त की आलोचनात्मक परीक्षा कीजिए।

Unit-II / इकाई-II 7½

4. State and examine the nature and grounds of inference according to Nyâya Philosophy.

न्याय दर्शन के अनुसार अनुमाग के स्वरूप एवं आधारों का वर्णन एवं परीक्षण कीजिए।

5. Describe the concept of Dravya, Guna, and Karma according to Vaisesika Philosophy.

वैशेषिक दर्शन के अनुसार द्रव्य, गुण एवं कर्म की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

Unit-III / इकाई-III 7½

6. What is Satkaryavada? What arguments are given by Sankhya in support of Satkaryavada?

सत्कार्यवाद क्या है? सांख्य सत्कार्यवाद के समर्थन में कौन से तर्क देते हैं?

7. Describe the concept of chittavritti and chittbhumi in detail.

चित्तवृत्ति एवं चित्तभूमि की अवधारणा की विस्तार से चर्चा कीजिए।

Unit-IV / इकाई-IV 7½

8. What is the nature of 'Jagat' according to Advaita-Vedant.

अद्वैत वेदान्त के अनुसार जगत का स्वरूप क्या है?